DISCOVER
NASHIK KUMBH

नाशिक-त्र्यंबकेश्वर
सिंहस्थ-२०२७

भारत के सबसे बड़े आध्यात्मिक महापर्व से
अपनी कल्पनाओं को जोड़ें!

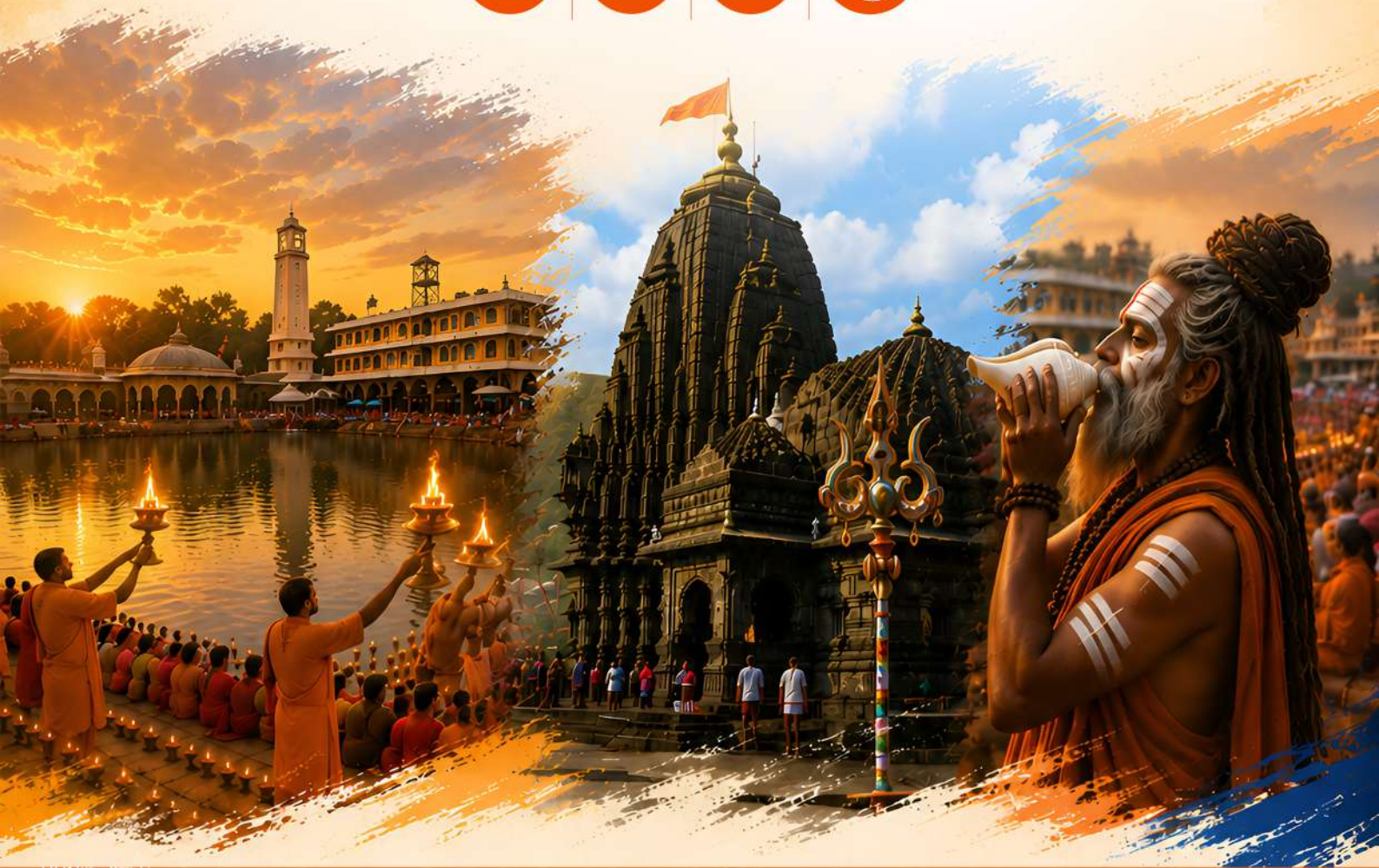

सिंहस्थ कुंभ

विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक महासंगम

कुंभ मेला विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महापर्व है, जो भारत के चार पवित्र तीर्थस्थलों पर प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित होता है। यह श्रद्धा, भक्ति और प्राचीन परंपराओं का अद्भुत संगम है, जो विश्वभर के लाखों लोगों को प्रेरित करता है।

कुंभ मेले का महत्व

दैवीय उत्पत्ति
समुद्र मंथन के समय अमृत की बूंदें पृथ्वी के चार पवित्र स्थलों पर गिरी थीं। उसी की स्मृति में कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है।

पवित्र अनुभूती
कुंभ मेले में पवित्र स्नान से मन और आत्मा की शुद्धि होती है तथा मोक्ष की प्राप्ति का विश्वास है।

एकता का प्रतीक
धर्म, भाषा, संस्कृति और देशभर के लोगों को जोड़ने वाला यह एक अद्भुत आध्यात्मिक संगम है।

प्राचीन परंपरा
हजारों वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा, पुराणों तथा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है।

वैश्विक आकर्षण
कुंभ मेला भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है और विश्वभर के श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण है।

भारत के चार पवित्र कुंभ स्थल

प्रयागराज
गंगा, यमुना और सरस्वती के त्रिवेणी संगम पर स्थित पवित्र तीर्थस्थल।

हरिद्वार
गंगा नदी के पवित्र तट पर स्थित भारत का प्रमुख धार्मिक केंद्र।

उज्जैन
पवित्र शिप्रा नदी के तट पर स्थित ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक शहर।

नाशिक
पवित्र गोदावरी नदी के तट पर स्थित सिंहस्थ कुंभ का प्रमुख तीर्थस्थल।

वर्ष २०२७ में नासिक सिंहस्थ कुंभ के लिए तैयार हो रहा हैं।

- विश्व का सबसे बड़ा एवं महत्वपूर्ण धार्मिक महापर्व
- करोड़ों श्रद्धालुओं की सहभागिता
- प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित होने वाला महोत्सव
- श्रद्धा, संस्कृति और परंपरा का अद्भुत संगम
- छायाचित्रकारों और कलाकारों के लिए रचनात्मक स्वर्ग

> "कुंभ केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि श्रद्धा, अध्यात्म, मानवता और सनातन संस्कृति का वैश्विक उत्सव है।"

नाशिक-त्र्यंबकेश्वर
सिंहस्थ कुंभ
२०२७

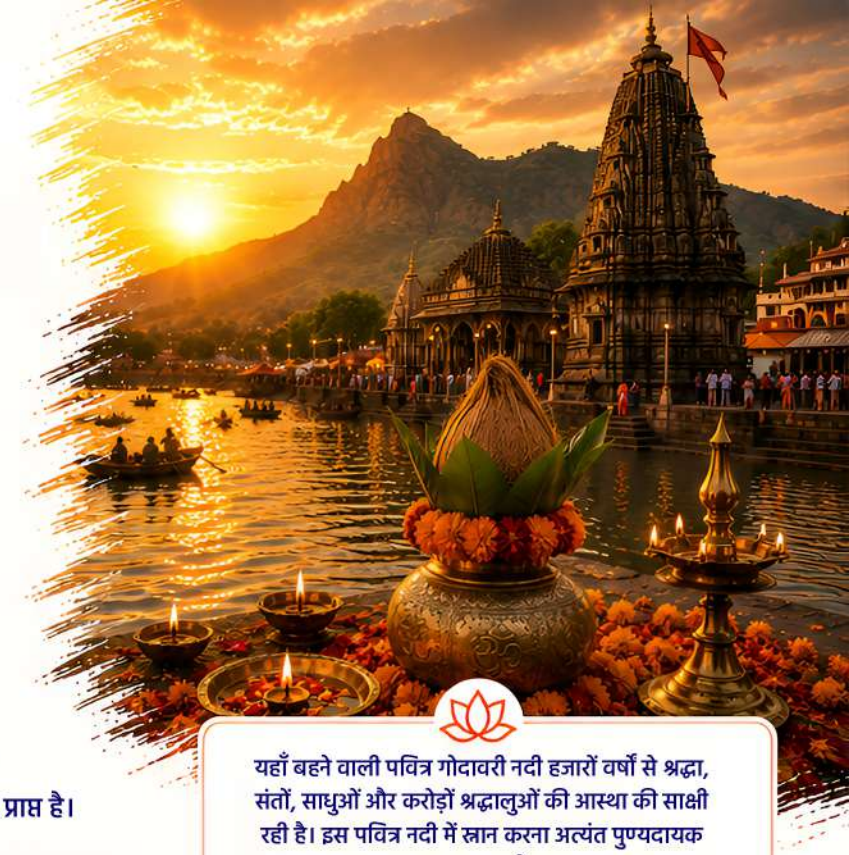

श्रद्धा, परंपरा और अध्यात्म का दिव्य संगम

नासिक का सिंहस्थ कुंभ एक पवित्र एवं ऐतिहासिक तीर्थ है। गुरु, सूर्य और चंद्र के विशेष ग्रहयोग के अनुसार यहाँ कुंभ मेले का आयोजन होता है। पवित्र गोदावरी नदी, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग और रामकुंड के कारण नासिक को सनातन परंपरा में विशेष महत्व प्राप्त है।

यहाँ बहने वाली पवित्र गोदावरी नदी हजारों वर्षों से श्रद्धा, संतों, साधुओं और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था की साक्षी रही है। इस पवित्र नदी में स्नान करना अत्यंत पुण्यदायक माना जाता है।

नासिक क्यों?

शिवपावन भूमी
त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग का स्थान होने के कारण नासिक भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक प्रमुख तीर्थ है।

गोदावरी नदी
दक्षिण की गंगा कहलाने वाली गोदावरी नदी श्रद्धा, शुद्धिकरण और मोक्ष का प्रतीक मानी जाती है।

धार्मिक विरासत
मंदिरों, संत परंपरा, पौराणिक इतिहास और आध्यात्मिक धरोहर से समृद्ध नासिक एक प्रमुख तीर्थस्थल है।

करोड़ों श्रद्धालु
प्रत्येक सिंहस्थ कुंभ में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु, संत, साधु और पर्यटक नासिक आते हैं।

आध्यात्मिक स्पर्श
हर बारह वर्ष में मिलने वाले इस पावन अवसर पर सनातन संस्कृति का दिव्य अनुभव प्राप्त होता है।

नाशिक सिंहस्थ कुंभ- प्रमुख तिथियाँ

- **३१ अक्टूबर २०२६** — अधिकृत प्रारंभ
- **२४ जुलाई २०२७** — ध्वजारोहण समारोह
- **२ अगस्त २०२७** — प्रथम अमृत स्नान (आपद सोमवती अमावस्या)
- **३१ अगस्त २०२७** — द्वितीय अमृत स्नान (श्रावण अमावस्या)
- **५ सितंबर २०२७** — ऋषी पंचमी
- **११ सितंबर २०२७** — तृतीय अमृत स्नान (वैष्णव) – रामकुंड, नाशिक
- **१२ सितंबर २०२७** — तृतीय अमृत स्नान (शैव) – कुशावर्त तीर्थ, त्र्यंबकेश्वर
- **१५ सितंबर २०२७** — भाद्रपद पूर्णिमा
- **११ अक्टूबर २०२७** — आश्विन शुक्ल एकादशी
- **१५ अक्टूबर २०२७** — आश्विन पूर्णिमा
- **१० नवंबर २०२७** — कार्तिक शुक्ल एकादशी
- **१४ नवंबर २०२७** — कार्तिक पूर्णिमा
- **२६ जनवरी २०२८** — मौनी अमावस्या
- **१ फ़रवरी २०२८** — वसंत पंचमी
- **८ फ़रवरी २०२८** — गंगा-गोदावरी महोत्सव
- **२७ फ़रवरी २०२८** — महाशिवरात्रि
- **२५ मई - २ जून २०२८** — गंगा दशहरा उत्सव
- **२४ जुलाई २०२८** — अधिकृत समापन (ध्वज अवतरण समारोह)

डिस्कवर नासिक कुंभ

डिस्कवर नासिक कुंभ 2027 एक रचनात्मक पहल है, जो छायाचित्रकारों, फिल्म निर्माताओं, कलाकारों, डिज़ाइनरों, लेखकों, विद्यार्थियों, पेशेवरों और कंटेंट क्रिएटर्स को नासिक एवं सिंहस्थ कुंभ 2027 की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और पर्यटन विरासत को अपनी रचनात्मकता के माध्यम से दस्तावेज़ित कर विश्वभर तक पहुँचाने का अवसर प्रदान करती है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य नासिक की पहचान को वैश्विक डिजिटल मंच पर स्थापित करना, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रचार करना तथा नवोदित एवं अनुभवी रचनाकारों को राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर उपलब्ध कराना है।

> "श्रद्धा, परंपरा, सृजनशीलता और भारत की शाश्वत सांस्कृतिक विरासत का यह एक भव्य उत्सव है।"

आपको क्यों भाग लेना चाहिए?

अपनी कला प्रदर्शित करें
राष्ट्रीय स्तर पर कला, सृजनशीलता और कौशल प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर।

राष्ट्रीय पहचान
आकर्षक पुरस्कारों, प्रमाणपत्रों और डिजिटल सम्मान के साथ राष्ट्रीय पहचान प्राप्त करें।

करियर के अवसर
पेशेवर पहचान बनाकर भविष्य के अवसरों के लिए प्रभावशाली पोर्टफोलियो तैयार करें।

नासिक कुंभ का प्रचार
भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को विश्वभर तक पहुँचाने के अभियान का हिस्सा बनें।

नेटवर्क विस्तार
विशेषज्ञों, मार्गदर्शकों, कलाकारों और रचनात्मक समुदाय से जुड़कर अपना नेटवर्क मजबूत करें।

अधिक प्रसिद्धि प्राप्त करें
आधिकारिक वेबसाइट, सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से उत्कृष्ट कृतियों को व्यापक पहचान दिलाएँ।

इतिहास का हिस्सा बनें
अपनी रचनात्मकता से नासिक सिंहस्थ कुंभ 2027 के आधिकारिक डिजिटल अभिलेख का हिस्सा बनें।

सकारात्मक परिवर्तन लाएँ
अपनी रचनात्मकता से लाखों लोगों को प्रेरित करें और भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में योगदान दें।

ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा बने !

आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक सांस्कृतिक विरासत के निर्माण में अपना योगदान दें।

स्पर्धाएँ एवं प्रकार

अपनी रचनात्मकता से साकार करें
नासिक कुंभ २०२७

नासिक कुंभ 2027 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि श्रद्धा, संस्कृति, इतिहास और मानवता का वैश्विक महापर्व है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रत्येक रचनात्मक प्रतिभा को अपनी कला के द्वारा नासिक एवं सिंहस्थ कुंभ की पहचान विश्वभर तक पहुँचाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

प्रतियोगिताओं के प्रकार

अपनी कला चुनें • अपनी पहचान बनाएँ • नासिक कुंभ का उत्सव मनाएँ

1. डिस्कवर नासिक फोटोग्राफी स्पर्धा
2. डिस्कवर नासिक रील स्पर्धा
3. नासिक शॉर्ट फिल्म स्पर्धा
4. हिडन जेम्स ऑफ नासिक
5. नासिक एक्सप्लेनर व्हिडिओ स्पर्धा
6. त्र्यंबकेश्वर फोटोग्राफी स्पर्धा
7. रामकुंड फोटोग्राफी स्पर्धा
8. त्र्यंबकेश्वर रील चॅलेंज
9. रामकुंड रील चॅलेंज
10. कुंभ फोटो स्पर्धा
11. कुंभ रील स्पर्धा
12. कुंभ शॉर्ट फिल्म स्पर्धा
13. कुंभ थ्रू माई लेन्स
14. कुंभ एक्सप्लेनर व्हिडिओ स्पर्धा
15. कुंभ इन्व्हिटेशन रील स्पर्धा
16. मैं कुंभ में क्यों आया? व्हिडिओ स्पर्धा
17. मेरा कुंभ अनुभव व्हिडिओ स्पर्धा
18. डिस्कवर नासिक पेंटिंग स्पर्धा
19. कुंभ पेंटिंग स्पर्धा
20. कुंभ डिजिटल आर्ट स्पर्धा
21. वेलकम टू नासिक कुंभ आर्टवर्क स्पर्धा
22. नासिक स्टोरी / निबंध स्पर्धा
23. डिस्कवर नासिक ब्लॉग रायटिंग चॅलेंज
24. कुंभ निबंध स्पर्धा
25. कुंभ ब्लॉग रायटिंग चॅलेंज
26. मेरी कुंभ स्टोरी
27. मेरा कुंभ संकल्प

प्रतियोगिता कार्यक्रम एवं महत्वपूर्ण तिथियाँ

नासिक कुंभ 2027 प्रतियोगिता महोत्सव के सभी महत्वपूर्ण चरण जानिए। इसमें पंजीकरण, प्रविष्टि जमा करना, मूल्यांकन तथा परिणाम घोषणा जैसे सभी प्रमुख चरण शामिल हैं।

२० सितंबर २०२६

प्रतियोगिता का आधिकारिक शुभारंभ

नासिक कुंभ 2027 प्रतियोगिता की आधिकारिक घोषणा की जाएगी तथा देशभर के रचनात्मक प्रतिभागियों को आमंत्रित किया जाएगा।

०१ अक्टूबर २०२६

पंजीकरण प्रारंभ

देशभर के विद्यार्थी, कलाकार, छायाचित्रकार, कंटेंट क्रिएटर्स तथा इच्छुक प्रतिभागी पंजीकरण कर अपनी रचनात्मक यात्रा प्रारंभ कर सकेंगे।

३० नवंबर २०२६

प्रविष्टि जमा करने की अंतिम तिथि

फोटोग्राफी, वीडियो, रील, शॉर्ट फिल्म, ब्लॉग, निबंध, चित्रकला तथा अन्य सभी प्रतियोगिताओं की प्रविष्टियाँ जमा करने की अंतिम तिथि।

१५-२० दिसंबर २०२६

विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन

सभी प्रविष्टियों का सृजनशीलता, मौलिकता, विषय की समझ, प्रस्तुतीकरण तथा समग्र प्रभाव के आधार पर विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।

२५-३० दिसंबर २०२६

परिणाम घोषणा

प्रत्येक प्रतियोगिता श्रेणी की श्रेष्ठ प्रविष्टियों का चयन कर आधिकारिक परिणाम घोषित किए जाएंगे।

५-१५ जनवरी २०२७

पुरस्कार वितरण समारोह

विजेताओं एवं उत्कृष्ट प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार, सम्मान-पत्र तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

सहभागी वर्गीकरण

प्रत्येक आयु वर्ग के लिए समान अवसर एवं विशेष मंच

प्राथमिक वर्ग

छोटे बच्चों की कल्पनाशक्ति, रंगों और रचनात्मकता के माध्यम से नासिक एवं सिंहस्थ कुंभ की पहचान प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर।

माध्यमिक वर्ग

विद्यार्थियों के लिए नासिक एवं सिंहस्थ कुंभ के विचार, कला और रचनात्मकता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का मंच।

महाविद्यालयीन वर्ग

महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए आधुनिक सोच, शोध, नवाचार और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से भागीदारी का अवसर।

खुला वर्ग

आयु की कोई सीमा नहीं। कलाकार, पेशेवर, कंटेंट क्रिएटर्स, छायाचित्रकार, लेखक और सभी इच्छुक प्रतिभागियों के लिए खुला वर्ग।

वरिष्ठ नागरिक वर्ग

अनुभव, परंपरा, संस्कार और जीवन मूल्यों के माध्यम से सिंहस्थ कुंभ की समृद्ध विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए विशेष वर्ग।

प्रत्येक वर्ग के लिए आकर्षक पुरस्कार

सभी प्रतियोगिताओं एवं प्रतिभागी वर्गों के लिए

प्रथम पुरस्कार

उत्कृष्ट रचनात्मकता एवं प्रभावशाली प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

द्वितीय पुरस्कार

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी को द्वितीय पुरस्कार के साथ आकर्षक उपहार एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा।

तृतीय पुरस्कार

उत्कृष्ट रचनात्मकता, सराहनीय प्रयास और प्रभावी प्रस्तुति के लिए तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

प्रोत्साहन पुरस्कार

विशिष्ट कल्पना, नवाचारी प्रस्तुति एवं उल्लेखनीय सहभागिता के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

DISCOVER
NASHIK KUMBH

हमें संपर्क करें

प्रतियोगिता में भाग लेने, प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी, तकनीकी सहायता या नासिक कुंभ 2027 के बारे में किसी भी जानकारी के लिए हमसे संपर्क करें। हमारी टीम आपकी सहायता के लिए सदैव तैयार है।

ई-मेल

joinnashikkumbh@gmail.com
connect@discovernashikkumbh.in

दूरध्वनी क्रमांक

+९१ ८२६३९५६३८५
+९१ ९५१८३५३५१२

व्हॉट्सऐप

+९१ ८२६३९५६३८५
+९१ ९५१८३५३५१२

हमारा ऑफिस

शिवालय
फालके स्मारक के पास, पांडवलेणी,
नासिक, महाराष्ट्र।

वेबसाइट

discovernashikkumbh.in

अधिकृत सोशल मीडिया

@DiscoverNashikKumbh
Twitter - @JoinNashikKumbh

आपकी सफल सहभागिता के लिए
हम सदैव तत्पर हैं!

पंजीकरण से लेकर प्रतियोगिता के परिणाम तक, प्रत्येक चरण में हमारी टीम आपके साथ रहेगी।

नासिक कुंभ २०२७ की इस अविस्मरणीय यात्रा का गर्व से हिस्सा बनें।

आज ही भाग लें और इस ऐतिहासिक अभियान का हिस्सा बनें।